9 अप्रैल 2026
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

दिशा बैठक में विकास योजनाओं पर कड़ी समीक्षा, समयबद्ध निष्पादन के सख्त निर्देश

2

एक नजर

अधीर रंजन चैधरी के काफिले को ट्रक ने मारी टक्कर

कोलकता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चैधरी बुधवार को बाल-बाल बच गये। उनके प्रचार वाहन के काफिले को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। अधीर रंजन चुनाव प्रचार करके लौट रहे थे। घटना बुधवार की शाम को मुर्शिदाबाद जिले में बहरमपुर के पास जीबंती में हुआ। जब अचानक एक ट्रक ने उनके एस्कॉर्ट काफिले को ठोकर मार दी। इसमें कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गये। हालांकि, अधीर रंजन चैधरी सुरक्षित हैं। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि दुर्घटना शाम को हुई। उस समय अधीर रंजन चैधरी कांडी में चुनाव प्रचार करके बहरमपुर लौट रहे थे।

एसआईआर ट्रिब्यूनल के लिए बनाई विशेष समिति

कोलकाता। बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाये जाने के कानूनी और प्रशासनिक गहमागहमी के बीच कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल ने एसआईआर ट्रिब्यूनल की कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित करने और प्रक्रियाओं में एकरूपता लाने के लिए तीन पूर्व न्यायाधीशों की एक विशेष समिति का गठन किया है।यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोमवार को दिए गए उन निर्देशों के बाद आया है, जिसमें 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों के लिए एक समान प्रक्रिया निर्धारित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था।समिति में अनुभवी न्यायविदों का समावेश हाई कोर्ट द्वारा गठित इस उच्च स्तरीय समिति में कलकत्ता हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रदीप्त राय और सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रणब कुमार देब को शामिल किया गया है।समिति मुख्य रूप से यह निर्धारित करेगी कि मतदाता सूची से बाहर किए गए नागरिकों के दावों और अपीलों का निपटारा ट्रिब्यूनल के 19 न्यायाधीश किस पद्धति से करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आशा व्यक्त की है कि यह समिति तत्काल अपनी सिफारिशें सौंपेगी।

होर्मुज में फंसे 16 जहाजों को लाने की तैयारी शुरू

- सीजफायर के तुरंत बाद भारत ने ईरान से साधा संपर्क
- भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका के बीच घोषित सीजफायर की घोषणा के तुरंत बाद बुधवार को भारत ने ईरान से संपर्क साधा है ताकि होर्मुज के पश्चिम में उसके जो तेल व गैस के जहाज फंसे हैं उन्हें तुरंत वहां से स्वदेश लाया जा सके। भारत सरकार ने सीजफायर का स्वागत करते हुए आशा जताई है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति कायम होगी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'हम घोषित युद्ध विराम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की ओर ले जाएगा। जैसा कि हम पहले से लगातार वकालत कर रहे थे, संघर्ष को कम करने के साथ संवाद और कूटनीति ही चल रहे संघर्ष को जल्द समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। भारत ने आगे कहा है कि संघर्ष से पहले ही लोगों को अपार पीड़ा पहुंची है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क बाधित हुए हैं। भारत उम्मीद करता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की निर्बाध स्वतंत्रता बनी रहेगी और वैश्विक वाणिज्य का सामान्य प्रवाह बहाल होगा। कम होगा ऊर्जा संकटः सरकार सरकारी सूत्रों के अनुसार, सीजफायर की घोषणा के बाद भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जारी चिंता अब कम होने की उम्मीद है। वर्तमान में भारत के 16 जहाज होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। इनमें अधिकांश तेल और गैस से जुड़े जहाज हैं। इन जहाजों में तकरीबन दो लाख टन से ज्यादा एलपीजी है जिसकी भारत को सख्त जरूरत है। इन जहाजों को तुरंत निकालने के लिए भारतीय सरकार ईरान के साथ लगातार संपर्क में है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें पश्चिम एशिया से आने वाला हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है। होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी अस्थिरता भारत की ऊर्जा आपूर्ति और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाती है।

जिधर होगा जेन-जी, उसके हाथ होगी पूर्वोत्तर के द्वार की चाबी

एजेंसी। गुवाहाटी

असम विधानसभा चुनाव में जिधर जेन-जी जाएगा, पूर्वोत्तर के द्वार की चाबी उसी दल के हाथ लगेगी। ऐसा माना जा रहा है। भाजपा को असम में हैट्रिक लगाने का भरोसा है। वहीं, कांग्रेस 10 साल बाद सत्ता में वापसी का दावा कर रही है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा मतदान से ठीक एक दिन पहले बाबा बैजनाथ धाम जाकर आशीर्वाद ले आए हैं, लेकिन चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार पर करारा हमला बोलकर चुनाव को थोड़ा जटिल बना दिया है। प्रद्युम्न बरुआ कहते हैं कि भाजपा ने 2021 की तरह इस चुनाव को बेहद सतर्कता से लड़ा है। प्रद्युम्न के मुताबिक असम चुनाव की जमीन आखिरी सप्ताह में ज्यादा तेजी से बदलती महसूस हुई। विपक्षी गठबंधन थोड़ा मजबूती से चुनाव लड़ता दिखाई दिया है। हिमांशु राय करीब दो दशक से गोवाहाटी में कारोबार कर रहे हैं। हिमांशु कहते हैं कि अरुणोदय योजना के तहत असम की महिलाओं को 3600 करोड़ रुपये की राशि वितरित हुई है। असम में महिलाओं की आबादी पुरुष मतदाताओं के बराबर है।

आरएसएस और बीजेपी जहरीले सांप हैं इनको नहीं मारेंगे तो आप बचेंगे नहीं

पाकिस्तान कि वोटर जवाब देंगे, कांग्रेस दूरबीन से भी नहीं दिखेगी : शाह

गुजरात के लोगों को अनपढ़ कहा

खड़गे ने 5 अप्रैल को केरल के इडुक्की में कहा था कि राज्य के लोग पढ़े-लिखे और समझदार हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य जगहों के लोग अनपढ़ हैं। हालांकि खड़गे ने बुधवार को गुजरातियों से जुड़े विवादित बयान पर खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मेरे बयान को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। मैं शब्दों पर खेद व्यक्त करता हूं। खड़गे ने कहा बीजेपी ने मुर्मू और कोविंद को राष्ट्रपति तो बनाया, पर क्या इसलिए कि वह हमारी जमीन, जंगल और पानी छीन सकें? उन्होंने यह सब आदिवासियों की जमीन हड़पने के लिए किया है। बेहद अपमानजनक और आदिवासी-दलित विरोधी है। खड़गे बिना शर्त माफी मांगे। खड़गे ने कहा पीएम मोदी को हमले से तीन दिन पहले ही इंटेलिजेंस रिपोर्ट मिल गई थी, इसीलिए उन्होंने अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया।

- भाजपा ने मांग कि खड़गे के भड़काऊ बयानों को लेकर उनके खिलाफ केस दर्ज कराई जाए

एजेसी। नई दिल्ली

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाजपा-आरएसएस की जहरीले सांप से तुलना करने पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचा। भाजपा ने मांग कि खड़गे के भड़काऊ बयानों को लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। इसके साथ ही उन्हें भाषण देने से रोका जाए। दरअसल 6 अप्रैल को असम में एक रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा था कि अगर आप नमाज पढ़ रहे हैं और जहरीला सांप आ जाए तो नमाज छोड़कर उसे मारना है, यह कुरान में कहा गया है। यह आरएसएस और बीजेपी जहरीले सांप हैं इनको नहीं मारेंगे तो आप बचेंगे नहीं। खड़गे के इस बयान पर अमित शाह ने मंगलवार को ही पलटवार किया था। शाह ने असम में एक रैली में कहा था कि जनता इस बयान का जवाब वोट से देगी और 9 अप्रैल के बाद कांग्रेस दूरबीन से भी नजर नहीं आएगी। कर्नाटक सरकार में मंत्री और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने बुधवार को अपने पिता के कमेंट का समर्थन किया। प्रियांक ने कहा कि उन्होंने (मल्लिकार्जुन खड़गे ने) क्या कहा है? उन्होंने कहा कि अगर किसी को जहरीला सांप दिखे तो उसे मार दें। अगर आपको कोई जहरीला सांप दिखे, तो क्या आप उसे दूध पिलाकर पालेंगे-पोसेंगे, या उसे भगा देंगे? लेकिन आम जनता को कोई चेतावनी क्यों नहीं दी गई? भाजपा बोली बयान पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना है और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। खड़गे को माफी मांगनी चाहिए। खड़गे ने कहा ऑपरेशन सिंदूर कोई बड़ी बात नहीं। यह तो एक छुटपुट युद्ध है। भाजपा बोली ये भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान का अपमान है। खड़गे को हमारे वीर जवानों से माफी मांगनी चाहिए।

डाक मतपत्र पर चुनाव आयोग का पहरा

एजेंसी। कोलकाता

आगामी विधानसभा चुनावों में धांधली की गुंजाइश को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) ने कमर कस ली है। आयोग ने पोस्टल बैलट यानी, डाक मतपत्र के जरिए होने वाले मतदान के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी और अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाता केवल कैमरे की निगरानी में ही अपना वोट डाल सकेंगे। चुनाव आयोग की ओर से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजे गए पत्र के अनुसार, अब सभी 'फैसिलिटेशन सेंटर' (एफसी) और 'पोस्टल वोटिंग सेंटर' (पीवीसी) पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती अनिवार्य कर दी गई है। इसके अलावा, मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर फोर्स तैनात रहेगी, जिससे अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को पूरी तरह रोका जा सके। प्रक्रिया को और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए चुनाव आयोग ने कई प्रशासनिक बदलाव किए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, प्रत्येक मतदान केंद्र के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। हालांकि, आयोग ने स्पष्ट किया है कि कैमरे इस तरह लगाए जाएंगे कि मतदान की गोपनीयता भंग न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) इन सेंटर्स की लाइव फीड देखेंगे। इसके अलावा, हर बूथ पर कम से कम एक 'ग्रुप बी' स्तर के अधिकारी को माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया जाएगा। सामान्य पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे मतदान के दिन कम से कम तीन बार इन केंद्रों का दौरा करें। इतना ही नहीं, मतदान केंद्र में मोबाइल ले जाने पर सख्त पाबंदी रहेगी, जिसकी निगरानी खुद पर्यवेक्षक करेंगे।

खाद के लिए 41,534 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी

एजेसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव और वैश्विक बाजार में उर्वरकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद केंद्र सरकार ने किसानों को राहत देने का बड़ा फैसला किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक में खरीफ-2026 के लिए फॉस्फेट और पोटाश आधारित उर्वरकों पर 41,534 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दी गई है। इससे किसानों को किफायती दरों पर खाद उपलब्ध होती रहेगी।केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि सरकार का यह फैसला खरीफ

सीजन के दौरान एक अप्रैल से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहेगा। इस बार सब्सिडी का आकार पिछले साल की तुलना में करीब 12 प्रतिशत बढ़ाया गया है। पिछले खरीफ सीजन में यह राशि 37,216 करोड़ रुपये थी। यानी किसानों पर लागत का दबाव कम करने के लिए सरकार ने अतिरिक्त 4,317 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सरकार का यह कदम किसानों को बड़ी राहत देने वाला माना जा रहा है। इससे न सिर्फ खेती की लागत नियंत्रित रहेगी, बल्कि उत्पादन पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। सरकार 2010 से लागू पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना के तहत फास्फेट और पोटाश उर्वरकों के 28 प्रकारों पर सब्सिडी दे रही है। यह व्यवस्था उर्वरक कंपनियों और आयातकों के माध्यम से लागू होती है, जिससे देशभर में खाद की आपूर्ति सुचारू बनी रहती है। खरीफ सीजन में मानसून के साथ बुवाई शुरू होती है, ऐसे में समय पर और सस्ती खाद की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद अहम होती है।

मिशन शक्ति का संदेश गांव-गांव : महिलाओं को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

- बेलहरी वार्ड में जागरूकता अभियान, सरकारी योजनाओं और सुरक्षा हेल्पलाइन की दी गई

केटी न्यूज/नावानगर

प्रखंड नावानगर के बेलहरी पंचायत स्थित वार्ड संख्या 06 में अति पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के बीच मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित ह्लजिला हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेनह्व द्वारा मासिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान मिशन शक्ति योजना के तहत संचालित उप-योजनाएं संबल एवं सामर्थ्य के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम शिकायत नंबर 1930 के उपयोग और महत्व के बारे में समझाया गया। साथ ही लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, दहेज प्रथा, पॉक्सो अधिनियम और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे वे अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकें। जिला हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया, ताकि महिलाएं आवश्यकता पड़ने पर वहां से सहायता प्राप्त कर सकें।

विशेषज्ञों ने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और आत्मनिर्भर बनने के लिए घर से बाहर निकलकर अपने पैरों पर खड़ा होने का प्रयास करें। उन्हें यह भी आश्वस्त किया गया कि जिला हब कार्यालय हर कदम पर उनके साथ खड़ा है और उनकी सहायता के लिए तत्पर है।

कार्यक्रम में मौजूद पुरुषों से भी अपील की गई कि वे घर जाकर अपने परिवार की महिलाओं को सरकारी योजनाओं और अधिकारों के प्रति जागरूक करें, ताकि समाज में समानता और सशक्तिकरण का वातावरण बन सके।

इस अवसर पर लैंगिक विशेषज्ञ शिवांगी, महिला प्रवेशिका प्रीति कुमारी तथा डाटा ऑपरेटर रविकांत पासवान सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता की नई अलख जगाई और उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

दिशा बैठक में विकास योजनाओं पर कड़ी समीक्षा, समयबद्ध निष्पादन के सख्त निर्देश

- जनकल्याण योजनाओं की प्रगति, शिक्षा-स्वास्थ्य की गुणवत्ता और विभागीय समन्वय पर सांसद ने जताई गंभीरता

केटी न्यूज/बक्सर

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की जिला स्तरीय बैठक बुधवार को बक्सर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता बक्सर सांसद सह समिति अध्यक्ष सुधाकर सिंह ने की। बैठक में जिले के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में राजपुर विधायक संतोष निराला, डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह, जिलाधिकारी साहिला, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, उप विकास आयुक्त निहारिका छवि, अपर समाहर्ता सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी और प्रखंड स्तर के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति को बैठक के समक्ष रखा।

सांसद सुधाकर सिंह ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन कार्यों के निष्पादन के लिए समयसीमा निर्धारित की गई थी, उन्हें हर हाल में समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों की जांच शीघ्र पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो।

बैठक के दौरान सांसद ने सभी विभागों से उनकी योजनाओं की प्रगति, अब तक की उपलब्धियां, सामने आ रही समस्याएं और भविष्य की चुनौतियों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को समाधान आधारित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे।

सांसद ने विशेष रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं में ठोस प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभागों को अपने कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाने का निर्देश दिया गया। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर भी बैठक में गंभीर चर्चा हुई। सांसद ने निर्देश दिया कि स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार के लिए नियमित निरीक्षण और मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार से ही समाज का समग्र विकास संभव है।

इसके अलावा, उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कई बार योजनाएं केवल समन्वय के अभाव में प्रभावित होती हैं, इसलिए सभी विभाग एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर कार्य करें और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएं।

बैठक के अंत में सांसद ने दोहराया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि जिले में विकास की गति तेज हो सके।

एक नजर

चौसा में कोयला ट्रकों से उगाही का पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संगठित गिरोह का खुलासा किया है, जो फर्जी रसीदों के सहारे कोयला लदे ट्रकों से अवैध वसूली कर रहा था। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से नगद राशि और भारी मात्रा में जाली रसीदें बरामद की गई हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यादव मोड़ के आसपास कुछ संदिग्ध लोग ट्रक चालकों को रोककर उनसे पैसे वसूल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और एक आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामबचन सिंह के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान रामबचन सिंह ने अपने अन्य साथियों के बारे में जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने दानी कुटिया स्थित एक पेट्रोल पंप के पास से श्यामबिहारी सिंह और अखौरीपुर गोला के आगे पंजाबी ढाबा के समीप से सैयद शाहनवाज को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 28,900 रुपये नकद और पांच बंडल फर्जी रसीदें बरामद हुईं। पुलिस जांच में सामने आया कि इन रसीदों पर उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के फेफना क्षेत्रीय वन अधिकारी की मुहर और हस्ताक्षर की नकल की गई थी, जिससे ट्रक चालकों को भ्रमित कर उनसे जबरन पैसे वसूले जाते थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार यह गिरोह काफी समय से सक्रिय था और सुनियोजित तरीके से अलग-अलग स्थानों पर ट्रकों को रोककर अवैध वसूली करता था। गिरफ्तार आरोपियों में रामबचन सिंह (गहमर थाना क्षेत्र), सैयद शाहनवाज (बारा) और श्यामबिहारी सिंह (सौंवाबांध) शामिल हैं। अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है ताकि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

चौसा में जनगणना-2026 की तैयारी तेज 230 कर्मियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

चौसा। जनगणना-2026 को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां अब रफ्तार पकड़ने लगी हैं। इसी क्रम में चौसा प्रखंड में जनगणना कार्य को सुचारू एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रखंड प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस प्रशिक्षण में कुल 230 कर्मियों को शामिल किया जाएगा, जिनमें 34 पर्यवेक्षक और 196 प्रगणक शामिल हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 अप्रैल से शुरू होकर 24 अप्रैल तक नगर पंचायत क्षेत्र स्थित स्टेशन रोड के प्लस टू आदर्श उच्च विद्यालय में आयोजित होगा। प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में जनगणना से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान नियुक्त चार फील्ड ट्रेनर कर्मियों को डाटा संग्रहण की प्रक्रिया, प्रपत्रों को सही तरीके से भरने की विधि, डिजिटल उपकरणों के उपयोग और घर-घर सर्वेक्षण के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में मार्गदर्शन देंगे। इसके साथ ही कर्मियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर ढंग से कार्य कर सकें। प्रखंड जनगणना पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मियों को उनके दायित्वों के प्रति पूरी तरह दक्ष बनाना है, जिससे जनगणना कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या देरी न हो। प्रशासन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हृषिकेश कुमार सिंह को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रशिक्षित कर्मियों के सहयोग से जनगणना कार्य को पारदर्शी, सटीक और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।

फर्जी शादी का जाल : दुल्हन बनी ठग नकदी-जेवर लेकर दलाल संग फरार

केटी न्यूज/चौसा

शादी के नाम पर ठगी का एक सनसनीखेज मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां एक सुनियोजित गिरोह ने बाहर से आए परिवार को अपने जाल में फंसाकर नकदी और लाखों के जेवरात ठग लिए। इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित रमेश कुमार, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के निवासी हैं और फिलहाल फरीदाबाद में रहते हैं, अपने तीसरे बेटे विनय कुमार की शादी के लिए एक दलाल के संपर्क में आए थे। दलाल ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह बिहार के बक्सर में एक उपयुक्त लड़की से शादी करवा देगा। विश्वास जीतने के लिए उसने लड़की का आधार कार्ड भी दिखाया, जिसमें उसका पता राजपुर थाना क्षेत्र के बारूपुर गांव का बताया गया। दलाल के झांसे में आकर रमेश अपने परिवार के साथ बक्सर पहुंचे, जहां कथित तौर पर कोर्ट मैरिज के जरिए शादी कराई गई। शादी के दौरान लड़के पक्ष ने 70 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये के जेवरात लड़की को सौंप दिए। शादी के तुरंत बाद दलाल परिवार को स्टेशन छोड़ने के बहाने चौसा ले आया। इसी दौरान स्टेशन रोड पर अचानक साजिश को अंजाम देते हुए दलाल ने लड़की को ऑटो से उतारकर बाइक पर बैठाया और फरार हो गया। मौके पर मौजूद परिजनों ने हिम्मत दिखाते हुए एक अन्य दलाल को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है और फरार लड़की व मुख्य दलाल की तलाश में जुटी है। हालांकि अब तक पीड़ित पक्ष की ओर से औपचारिक आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामला गंभीर है और जांच जारी है।

अतिमी पैक्स चुनाव में दिखी शुरूआती गहमागहमी पहले दिन ही पांच अध्यक्ष पद के दावेदार मैदान में

केटी न्यूज/नावानगर

अतिमी पैक्स गठन को लेकर चल रहे नामांकन प्रक्रिया के पहले ही दिन चुनावी माहौल गर्म हो गया। अध्यक्ष पद के लिए पांच उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश कर दी, जिससे मुकाबला रोचक होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं सदस्य पद के लिए भी आठ अभ्यर्थियों ने नामांकन कर चुनावी सरगर्मी बढ़ा दी है। बीडीओ कार्यालय में शांतिपूर्ण माहौल के बीच नामांकन प्रक्रिया पूरी कराई गई। बीडीओ सह सहायक निवार्ची पदाधिकारी सूरज कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए पचरतनी देवी, सुबोध कुमार, राजू यादव, सुनील यादव और गुड्डी देवी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए कुल छह एनआर कटे हैं, जिसमें से पांच प्रत्याशियों ने पहले ही दिन नामांकन कर दिया है, जबकि एक और दावेदार के नामांकन की संभावना बनी हुई है। उन्होंने आगे बताया कि सभी नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 11 अप्रैल को की जाएगी, जबकि मतदान 20 अप्रैल को कराया जाएगा। चुनाव को निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से कुल 2406 मतदाताओं के लिए चार मतदान केंद्र बनाए गए हैं। नामांकन के बाद प्रत्याशियों के समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। बीडीओ कार्यालय के बाहर समर्थकों ने फूल-माला पहनाकर अपने-अपने उम्मीदवारों का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद सभी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ क्षेत्र में लौटे, जहां ग्रामीणों ने भी उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। नामांकन के साथ ही अब सभी उम्मीदवार जनसंपर्क अभियान में जुट गए हैं और मतदाताओं से समर्थन एवं आशीर्वाद लेने का सिलसिला शुरू हो गया है। चुनाव की तिथि नजदीक आते ही अतिमी क्षेत्र में राजनीतिक हलचल और तेज होने की संभावना।

पुराना भोजपुर का जलवा बरकरार, छपरा पर 4,0 की शानदार जीत से सेमीफाइनल में एंट्री

अभय शर्मा का डबल धमाका, आज सासाराम से भिड़ंत में फाइनल की राह तय करने उतरेगी टीम

केटी न्यूज/डुमरांव

कस्तूरबा स्मारक शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट में मेजबान पुराना भोजपुर फुटबॉल क्लब ने अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया। टीम ने छपरा को एकतरफा मुकाबले में 4,0 से हराकर सेमीफाइनल में दमदार एंट्री कर ली है। मैच के शुरूआत से अंत तक पुराना भोजपुर का दबदबा देखने को मिला और विरोधी टीम पूरी तरह दबाव में नजर आई।

खेल के शुरूआती मिनटों में ही पुराना भोजपुर ने आक्रामक रुख अपनाया। टीम के स्टार खिलाड़ी अभय शर्मा ने बेहतरीन मूवमेंट और सटीक शॉट के साथ पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ गया। जल्द ही शुभम कुमार ने शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2,0 कर दिया। पहले हाफ तक छपरा की टीम कोई प्रभावी जवाब नहीं दे सकी।

दूसरे हाफ में भी पुराना भोजपुर ने अपनी लय बरकरार रखी। अभय शर्मा ने एक बार फिर शानदार खेल दिखाते हुए अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद नसीम ने अंतिम समय में गोल कर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। टीम की रक्षा पंक्ति ने भी कमाल का प्रदर्शन किया और छपरा के हर हमले को नाकाम कर दिया।

मैच का उद्घाटन समाजसेवी कृष्णा सिंह और मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुमित गुप्ता द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। रेफरी टीम ने भी निष्पक्ष और सटीक निर्णयों के साथ मैच को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

टूर्नामेंट में अब तक महेन, सासाराम और गाजीपुर की टीमें भी शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। अब सभी की नजरें सेमीफाइनल मुकाबलों पर टिकी हैं। पुराना भोजपुर का अगला मुकाबला सासाराम से होना है, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। दोनों टीमें बेहतरीन फॉर्म में हैं, ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर वाला होने की उम्मीद है।

बक्सर में गैस आपूर्ति पर प्रशासन सख्त, कालाबाजारी पर शिकंजा–हर दिन 6 हजार से अधिक की मांग

- **25, 45 दिन के अंतराल पर ही होगी नई बुकिंग, 28 हजार से अधिक सिलेंडर की डिलीवरी लंबित, 841 शिकायतों में 757 का निपटारा**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में रसोई गैस की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार बक्सर में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के तहत कुल 27 गैस एजेंसियां संचालित हैं। इनमें इंडियन ऑयल की 13, भारत पेट्रोलियम की 6 और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 8 एजेंसियां शामिल हैं। जिले में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या भी काफी बड़ी है। इंडियन ऑयल के 2,02,360, भारत पेट्रोलियम के 57,517 और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 90,668 उपभोक्ता हैं। 13 मार्च से 7 अप्रैल तक कुल 1,19,121 गैस सिलेंडरों का वितरण किया जा चुका है, जबकि 7 अप्रैल तक एजेंसियों के पास 2,834 सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। आंकड़ों के अनुसार जिले में प्रतिदिन औसतन 6,419 सिलेंडरों की मांग है, जबकि आपूर्ति 5,761 सिलेंडरों की हो रही है। इस कारण 28,838 रिफिल बुकिंग अभी भी डिलीवरी के लिए लंबित हैं, जिससे लगभग 5 दिनों का बैकलॉग बन गया है। गैस वितरण व्यवस्था को संतुलित रखने के लिए प्रशासन ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शहरी क्षेत्र के उपभोक्ता अंतिम डिलीवरी के 25 दिन बाद ही नई बुकिंग करा सकेंगे, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अवधि 45 दिन निर्धारित की गई है। इससे अनावश्यक बुकिंग पर रोक लगेगी और वास्तविक जरूरतमंदों तक सिलेंडर पहुंच सकेगा। एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सभी गैस एजेंसियों पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। साथ ही वरीय अधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी लगातार एजेंसियों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर रहे हैं। अब तक कालाबाजारी के मामलों में दो प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। 7 अप्रैल को 41 गैस एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया, जिससे व्यवस्था पर निगरानी और कड़ी हुई है। आम लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। गैस आपूर्ति से जुड़ी समस्या के लिए 06183-223333 पर संपर्क किया जा सकता है। अब तक 841 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 757 का निपटारा कर दिया गया है, जबकि शेष पर कार्रवाई जारी है।

प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि एलपीजी या अन्य आवश्यक वस्तुओं को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। सोशल मीडिया की लगातार निगरानी की जा रही है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही होम डिलीवरी के माध्यम से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

फर्जी अधिकारी बनकर हुई बड़ी लूट से सबक, हर दुकान में हाई-टेक सुरक्षा और पहचान सत्यापन अनिवार्य

पटना गोल्ड हाइस्ट के बाद डुमरांव में सुरक्षा कड़ी सर्राफा कारोबारियों को पुलिस की सख्त चेतावनी

केटी न्यूज/डुमरांव

पटना में फर्जी कस्टम अधिकारी बनकर 17 किलो सोने की सनसनीखेज लूट की घटना ने पूरे बिहार में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। इस बड़े वारदात के बाद अब डुमरांव पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है और सरार्फा कारोबारियों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए गए हैं। इसी क्रम में मंगलवार की देर शाम डुमरांव थाना परिसर में स्वर्ण व्यवसायियों के साथ एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें सुरक्षा को लेकर स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए गए।

यह बैठक एसडीपीओ के निर्देश पर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा की अगुवाई में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य हालिया घटना से सबक लेते हुए स्थानीय स्तर पर किसी भी संभावित आपराधिक वारदात को रोकना और व्यापारियों को पहले से ज्यादा सतर्क बनाना था। थानाध्यक्ष ने साफ शब्दों में कहा कि अब सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों को आगाह किया कि अपराधी अब नए-नए तरीके अपनाकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। खासकर फर्जी अधिकारी बनकर दुकान में प्रवेश करना एक बड़ा खतरा बन चुका है। ऐसे में किसी भी व्यक्ति के अधिकारी होने के दावे पर आंख बंद कर भरोसा करना भारी पड़ सकता है। पुलिस ने सभी कारोबारियों को निर्देश दिया कि यदि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस, कस्टम या किसी अन्य विभाग का अधिकारी बताता है, तो उसकी पहचान का पूरी तरह सत्यापन करें। जरूरत पड़ने पर तत्काल डायल 112 या स्थानीय थाना से संपर्क करें।

थानाध्यक्ष ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कई अहम सुझाव भी दिए। उन्होंने सभी ज्वेलरी दुकानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने, अलार्म सिस्टम सक्रिय रखने और प्रवेश द्वार को नियंत्रित रखने पर जोर दिया। साथ ही यह भी कहा गया कि कैमरों का नियमित मेंटेनेंस और 24 घंटे रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्य बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त को और तेज किया जाएगा। इसके अलावा खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की समय रहते जानकारी मिल सके। थानाध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि त्योहारों और शादी-विवाह के सीजन में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, जिससे कारोबारियों को सुरक्षा का भरोसा मिल सके।

बैठक के दौरान स्वर्ण व्यवसायियों ने भी अपनी चिंताओं को खुलकर सामने रखा। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ के समय जोखिम कई गुना बढ़ जाता है और ऐसे में पुलिस की सक्रियता बेहद जरूरी होती है। व्यापारियों ने बाजार क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाने और संदिग्ध लोगों पर नजर रखने की मांग की।

पुलिस ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन इसके लिए आपसी सहयोग भी उतना ही जरूरी है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर संवाद और भरोसा ही अपराध पर नियंत्रण की सबसे बड़ी कुंजी है।

बैठक के अंत में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने सभी कारोबारियों से अपील की कि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें और तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने दोहराया कि किसी भी अप्रिय घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डुमरांव पुलिस की इस पहल से यह साफ संकेत मिल रहा है कि अब अपराधियों के लिए यहां अपनी चालें चलना आसान नहीं होगा।

एक नजर

मां शांति देवी प्रधानाध्यापिका स्मृति संस्थान का सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न, सैकड़ों छात्रों ने लिया भाग

केसठ। मां शांति देवी प्रधानाध्यापिका स्मृति संस्थान, केसठ के तत्वावधान में बुधवार को कन्या प्राथमिक विद्यालय बस स्टैंड परिसर में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में क्षेत्र के कक्षा 1 से 12वीं तक के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर समाजसेवी सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।परीक्षा के सफल संचालन में बिनोद मास्टर, अख्तर अंसारी, धर्मेंद्र केशरी, राजू पांडे समेत अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। आयोजन समिति द्वारा बैठने, प्रश्नपत्र वितरण और निगरानी की समुचित व्यवस्था की गई थी। संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता का परिणाम 11 अप्रैल को प्रकाशित किया जाएगा। उसी दिन प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के साथ टॉप 10 प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

स्टेशन रोड पर मरम्मत बनी मुसीबत गड्ढों ने बढ़ाया जाम–प्रशासन नाकाम

- **आठ माह बाद शुरू हुआ काम भी अधूरा स्कूली बच्चे से लेकर आमजन तक परेशान**

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के व्यस्ततम स्टेशन रोड पर एनएच-120 की मरम्मत कार्य ने राहत देने के बजाय लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। सड़क की जर्जर हालत सुधारने के नाम पर जगह-जगह खोदे गए गड्ढों ने पूरे इलाके को जाम के जाल में फंसा दिया है। हालात यह हैं कि सुबह से लेकर देर रात तक यातायात रेंगता रहता है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह विफल नजर आ रहा है।

जानकारी के अनुसार मां डुमरेजिन मंदिर गेट से लेकर पुराना भोजपुर तक सड़क मरम्मत के लिए करीब आठ माह पहले ही 1 करोड़ 31 लाख रुपये की स्वीकृति मिल चुकी थी। बावजूद इसके कार्य समय पर शुरू नहीं किया गया। विगत एक माह से काम शुरू तो हुआ, लेकिन वह भी रुक-रुक कर और अव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। कई स्थानों पर गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं, जिससे सड़क संकरी हो गई है और जाम की स्थिति और भयावह हो गई है।

बुधवार को स्थिति और भी गंभीर दिखी। सुबह होते ही एनएच-120 पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। खासकर स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूल जाने वाले वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई। कई अभिभावकों को मजबूरन अपने बच्चों को निजी वाहनों से स्कूल छोड़ने जाना पड़ा।

अभिभावकों का कहना है कि स्कूल के समय पर प्रशासन को विशेष निगरानी करनी चाहिए ताकि बच्चों को परेशानी न हो। उनका आरोप है कि मरम्मत कार्य की सही मॉनिटरिंग नहीं हो रही है। लोगों को उम्मीद थी कि सड़क बनने के बाद जाम से राहत मिलेगी, लेकिन वर्तमान हालात ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आधा दर्जन से अधिक जगहों पर गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं, लेकिन वहां नियमित रूप से काम नहीं हो रहा है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। अगर यही स्थिति बनी रही तो अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजना बंद करने को मजबूर हो सकते हैं।

शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मरम्मत कार्य को जल्द और व्यवस्थित तरीके से पूरा कराया जाए तथा जाम से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

क्विज से चमका कैंपस : एमवी कॉलेज में पढ़ाई का नया जोश

- **बीबीए, बीसीए विभाग की पहल से छात्रों में बढ़ी प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास, प्राचार्य के नेतृत्व में बदल रहा शैक्षणिक माहौल**

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय (एमवी कॉलेज), बक्सर में इन दिनों पढ़ाई का माहौल नए उत्साह और ऊर्जा से भर गया है। इसी कड़ी में बीबीए एवं बीसीए विभाग द्वारा आयोजित भव्य क्विज टेस्ट ने पूरे कैंपस को जीवंत बना दिया। इस प्रतियोगिता में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान व कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

क्विज प्रतियोगिता केवल सवाल-जवाब तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह छात्रों के लिए सीखने, सोचने और खुद को परखने का एक बेहतरीन मंच साबित हुई। इसमें भाग लेने वाले छात्रों में न केवल विषय की समझ गहरी हुई, बल्कि उनके अंदर आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित हुई। आयोजन के दौरान छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा था, जिससे पूरे महाविद्यालय में एक सकारात्मक शैक्षणिक माहौल महसूस किया गया।

महाविद्यालय प्रशासन ने इस सफल आयोजन के बाद यह स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। खासतौर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों को ध्यान में रखते हुए क्विज, सेमिनार और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें अधिक अवसर दिए जाएंगे, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

इस बदलाव के केंद्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. कृष्ण कांत सिंह का नेतृत्व प्रमुख रूप से सामने आया है। उनके मार्गदर्शन में कॉलेज में शिक्षा के तरीकों में नवीनता लाई गई है और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जा रहा है। यही वजह है कि अब कैंपस में अनुशासन, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा का संतुलित वातावरण तैयार हो रहा है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बीबीए एवं बीसीए विभाग के समन्वयक डॉ. पंकज चौधरी और डॉ. सैकत देबनाथ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कुशल नेतृत्व और टीम वर्क के चलते पूरा आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। वहीं, शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी ने छात्रों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

समग्र रूप से देखा जाए तो यह क्विज टेस्ट केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एमवी कॉलेज में हो रहे सकारात्मक शैक्षणिक बदलाव का प्रतीक बनकर उभरा है, जो आने वाले समय में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करेगा।

नामांकन शुरू होते ही पैक्स अध्यक्ष उप चुनाव को लेकर बढ़ी हलचल

- **सोवां और नुआंव पंचायत में खाली पदों पर चुनाव, पहले दिन आधा दर्जन प्रत्याशियों ने भरा पर्चा**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के सोवां और नुआंव पंचायत में पैक्स अध्यक्ष पद के लिए चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। लंबे समय से खाली पड़े इन दोनों पदों पर चुनाव की प्रक्रिया शुरू होते ही प्रखंड कार्यालय में चहल-पहल बढ़ गई है। 8 और 9 अप्रैल को नामांकन की तिथि निर्धारित होने के कारण पहले ही दिन उम्मीदवारों और उनके समर्थकों की भीड़ देखने को मिली।

पहले दिन करीब आधा दर्जन प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन करने पहुंचे उम्मीदवारों के साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी मौजूद रहे, जो पूरे परिसर में अपने-अपने उम्मीदवार के समर्थन में नारेबाजी करते नजर आए। इससे प्रखंड कार्यालय का माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा दिखा।

इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया दो दिनों तक चलेगी। इसके लिए समय सुबह 11 बजे से लेकर अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 10 अप्रैल को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी, जिसका समय भी पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक तय किया गया है।

बीडीओ ने आगे जानकारी दी कि अभ्यर्थी 13 अप्रैल को अपने नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। इसके लिए भी समय सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक रखा गया है। चुनाव की तिथि 20 अप्रैल निर्धारित है, जिसमें मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 4:30 बजे तक चलेगा। मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन मतगणना भी प्रारंभ कर दी जाएगी और विजेता की घोषणा कर दी जाएगी। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 22 अप्रैल को संपन्न हो जाएगी।

इधर, नामांकन के दूसरे दिन कितने उम्मीदवार मैदान में उतरते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार संभावित प्रत्याशियों के बीच मान-मनौवल का दौर भी जारी है, जिससे नाम वापसी की स्थिति बन सकती है। ऐसे में अंतिम रूप से कितने उम्मीदवार चुनावी मैदान में रहेंगे, यह 13 अप्रैल के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

कुल मिलाकर, पैक्स अध्यक्ष चुनाव को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और आने वाले दिनों में यह माहौल और भी गरमाने की संभावना है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर डुमरांव में जागरूकता की अलख

- **रेडक्रॉस सोसाइटी के सेमिनार में विशेषज्ञों ने स्वस्थ दिनचर्या और नियमित जांच पर दिया जोर**

केटी न्यूज/डुमरांव

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला उप शाखा, डुमरांव द्वारा शहीद पार्क के समीप एक सभागार में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के उपाध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने की, जबकि संचालन संस्था के सचिव शत्रुध्न प्रसाद उर्फ मोहन गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत समारोह से हुई, जिसमें मोहन गुप्ता ने उपाध्यक्ष राकेश कुमार को अंगवस्त्र और बुके भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों और अतिथियों का अभिनंदन किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि यह आयोजन रेडक्रॉस सोसाइटी, बिहार के निदेर्शानुसार किया गया है, जिसका उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अध्यक्षीय संबोधन में राकेश कुमार ने सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव लाएं और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं, ताकि बीमारियों से बचाव संभव हो सके। सेमिनार में उपस्थित चिकित्सकों–डॉ. आनन्द पाण्डेय, डॉ. एस.के. सैनी और डॉ. भस्माकर मिश्रा ने भी अपने विचार रखते हुए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, वरिष्ठ पत्रकार अमरनाथ केशरी सहित संस्था के कई सदस्य और गणमान्य लोग मौजूद रहे। इनमें रौशन गुप्ता, अजय कुमार, सुरेश कुमार, धीरज कुमार, रमेश जी रौनियार, दीपक कुमार, अनिल कुमार, मनोज कुमार, संतोष कुमार, मेहदी हसन, अनिल केशरी और परवेज अख्तर प्रमुख रूप से शामिल थे। अंत में प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार का समापन स्वास्थ्य जागरूकता के संदेश के साथ हुआ, जिसने उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर उपमुख्यमंत्री ने जिला कार्यालय में फहराया पार्टी झंडा

केटी न्यूज/आरा

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर भाजपा कार्यकताओं ने अपने घरों पर पार्टी का झंडा फहरा धूमधाम से मनाया। आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहार के उपमुख्यमंत्री सह भोजपुर जिला प्रभारी मंत्री विजय सिन्हा जिला कार्यालय पहुंचे। जहां उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा एवं जिलाध्यक्ष ने पार्टी का झंडा फहराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्गा राज और संचालन ई.धीरेन्द्र सिंह व धन्यवाद ज्ञापन सीडी शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि कर दीप प्रज्वलन एवं वंदेमातरम से किया गया। अवसर पर मुख्य अतिथि सहित मंचासीन नेताओं का अंगवस्त्र, मोमेंटो से सम्मानित किया गया। मौके पर उप मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेरणास्रोत डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार आज भी करोड़ों कार्यकताओं के लिए प्रकाशस्तंभ की भांति मार्गदर्शन स्वरूप हैं। भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं,बल्कि राष्ट्र के परम वैभव के लिए समर्पित देशभक्तों का विराट परिवार है।

जो तेरा वैभव अमर रहे माँ,हम दिन चार रहें न रहें.. हमारा केवल नारा नहीं,बल्कि संस्कार है। दीनदयाल के एकात्म मानववाद हमारा मार्गदर्शक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्लसबका साथ,सबका विकास, सबका विश्वास,सबका प्रयास हमारा कार्यधर्म है। राष्ट्रवाद,लोकतंत्र,सर्वधर्म समभाव, गांधीवादी समाजवाद और मूल्य आधारित राजनीति हमारे वैचारिक स्तंभ हैं। जिस सिद्धांतों के आधार पर भाजपा लोकतंत्र को मजबूत करते हुए जन-जन के कल्याण हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

भाजपा नए भारत के संकल्प की पहचान बन चुकी है। यह पार्टी प्रतिदिन 24 घंटे राष्ट्र सेवा में समर्पित कार्यकताओं की शक्ति से आगे बढ़ रही है। अवसर पर पूर्व विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह,सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी विशाल सिंह,आरा मेयर इंदु देवी,जिला प्रभारी राजेश सिन्हा,स्थापना दिवस क्षेत्रीय सह प्रभारी सीडी शर्मा,पूर्व जिलाध्यक्ष मिथलेश कुशवाहा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बिहार में टोपोलैंड पर सरकार का बड़ा कदम, भूमि विवाद सुलझाने की तैयारी तेज, जिलों से रिपोर्ट तलब

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने टोपोलैंड यानी असर्वेक्षित भूमि को लेकर बड़ी पहल शुरू की है। राज्यभर के जिलों से ऐसी जमीनों का विस्तृत ब्यौरा मांगा गया है। इसमें बकास्त और अन्य असर्वेक्षित जमीनें भी शामिल हैं। सरकार इन जमीनों की स्पष्ट स्थिति जानना चाहती है। इस कदम से भूमि विवाद सुलझाने में मदद मिल सकती है। प्रशासनिक स्तर पर इसकी तैयारी तेज कर दी गई है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है। उन्होंने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है। जिलाधिकारियों को समयसीमा के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। भूमि सत्यापन और सूची तैयार करने पर जोर दिया गया है।सरकार इस प्रक्रिया को गंभीरता से आगे बढ़ा रही है। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने 10 अप्रैल को समीक्षा बैठक बुलाई है। इस बैठक में राज्यभर की टोपोलैंड स्थिति पर चर्चा होगी। प्रत्येक जिले से प्राप्त रिपोर्ट की समीक्षा की जाएगी। आगे की कार्रवाई को लेकर निर्णय लिया जाएगा। अधिकारियों को पहले से तैयारी करने को कहा गया है। बैठक को अहम माना जा रहा है। विभाग के अपर सचिव आजीव वत्सराज ने सभी समाहताओं को पत्र भेजा है। इसमें टोपोलैंड की पहचान कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है।निर्धारित प्रारूप में जानकारी उपलब्ध करानी होगी। समय पर रिपोर्ट नहीं देने पर कार्रवाई हो सकती है। इससे पूरे राज्य में एक समान डेटा तैयार होगा। प्रशासनिक प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जा रहा है। सरकार के अनुसार कई स्थानों पर जमीन का सर्वेक्षण नहीं हुआ है। कुछ जमीनों की प्रविष्टि राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट नहीं है। इससे विवाद की स्थिति बनी रहती है। अब इन जमीनों का सत्यापन कराया जाएगा। इससे भूमि रिकॉर्ड को अपडेट किया जा सकेगा। लोगों को कानूनी स्पष्टता मिलेगी। टोपोलैंड सर्वे को लेकर पहले भी कई बार घोषणा की गई है। पिछले 10 वर्षों में कई मंत्रियों ने इस पर बात की है। लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई थी। इस बार सरकार इसे अमल में लाने की तैयारी में है। उम्मीद है कि प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। लंबित मुद्दों का समाधान संभव हो सकेगा। टोपोलैंड वह जमीन होती है जो नदियों की दिशा बदलने से बनती है। ऐसी जमीन पर अधिकार को लेकर कई जिलों में विवाद है। लोग वर्षों से अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जिलों को भेजा गया निर्देश पत्र

विभाग के अपर सचिव आजीव वत्सराज ने सभी समाहताओं को पत्र भेजा है। इसमें टोपोलैंड की पहचान कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। निर्धारित प्रारूप में जानकारी उपलब्ध करानी होगी। समय पर रिपोर्ट नहीं देने पर कार्रवाई हो सकती है। इससे पूरे राज्य में एक समान डेटा तैयार होगा। प्रशासनिक प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जा रहा है।

कई जमीनों का अब तक नहीं हुआ सर्वे

सरकार के अनुसार कई स्थानों पर जमीन का सर्वेक्षण नहीं हुआ है। कुछ जमीनों की प्रविष्टि राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट नहीं है। इससे विवाद की स्थिति बनी रहती है। अब इन जमीनों का सत्यापन कराया जाएगा। इससे भूमि रिकॉर्ड को अपडेट किया जा सकेगा। लोगों को कानूनी स्पष्टता मिलेगी।

पहले भी होती रही है घोषणा

टोपोलैंड सर्वे को लेकर पहले भी कई बार घोषणा की गई है। पिछले 10 वर्षों में कई मंत्रियों ने इस पर बात की है। लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई थी।

सुरक्षा पर सवाल : नशे में धुत सफाई कर्मी ने नर्स से किया अभद्र व्यवहार

- **गले में तलवार लटका स्वीपर के अस्पताल पहुंचते ही मची हड़कंप**

केटी न्यूज/नवादा

अनुमंडलीय अस्पताल में बुधवार की अहले सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नशे में धुत एक स्वीपर गले में तलवार लटकाए अस्पताल परिसर में पहुंच गया। इसके बाद ड्यूटी पर तैनात नर्स के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। अचानक हुई इस घटना से अस्पताल में मौजूद नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों में भय और आक्रोश का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी स्वीपर शराब के नशे में धुत होकर अस्पताल पहुंचा और वहां कार्यरत नर्स से अपशब्द कहते हुए दुर्व्यवहार करने लगा। नर्स ने जब इसका विरोध किया तो वह और आक्रामक हो गया।

स्थिति बिगड़ती देख अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने किसी तरह बीच-बचाव कर हालात को संभाला और आरोपी को वहां से हटाया।घटना के बाद अस्पताल में कार्यरत नर्सों और कर्मचारियों में गहरी नाराजगी देखी गई। स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि ड्यूटी के दौरान इस तरह की घटनाएं उनकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करती हैं। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।स्वास्थ्यकर्मियों ने इस मामले में लिखित शिकायत देने की भी बात कही है। वहीं, शराबबंदी वाले राज्य में इस तरह की घटना सामने आने से प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जुनून : बाइक पर सवार तेज रफ्तार से भाग रहें प्रेमी जोड़े की सड़क दुर्घटना में मौत

- **चोरी-छिपे शादीशुदा प्रेमिका शादी की मंशा से प्रेमी साथ हुई थी फरार**

केटी न्यूज/नवादा

थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार प्रेमी-प्रेमिका की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा बिहार-झारखंड सीमा के समीप हल्दिया गांव स्थित बजरंगबली मंदिर के पास हुआ। जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर मंदिर की दीवार से टकरा गई,प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका मेसकौर प्रखंड के बीजू बीघा गांव की रहने वाली थी।

जो मंगलवार की शाम करीब 8 बजे अपने घर

से मोबाइल छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। बताया जाता है कि

प्रेमी युवक उसी दिन मुंबई से रांची पहुंचा और वहां से हजारीबाग होते हुए बाइक से गांव आया था। इसके बाद दोनों बिना किसी को सूचना दिए गांव से निकल गए।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक काफी तेज गति में थी।हरदिया गांव के पास मोड़ पर चालक संतुलन खो बैठा और बाइक सीधे मंदिर की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और सूचना पुलिस को दी गई। पड़ताल में यह भी सामने आया है कि महिला की शादी करीब एक वर्ष पूर्व हुई थी। शादी के दो दिन बाद ही उसका पति कमाने के लिए सऊदी अरब चला गया था। हाल ही में उसके लौटने के बाद घरेलू तनाव की स्थिति बनी हुई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त स्थल पर पूर्व में भी कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस संदर्भ में रजौली थाना पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान मो.मजहर अंसारी निवासी कोनापुर खुर्द,जिला हजारीबाग एवं शहनाज खातून पति नौशाद खान,निवासी बीजू बीघा,थाना मेसकौर,जिला नवादा के रूप में हुई है। प्रथम द्दष्टया दुर्घटना का कारण हाई ओवरस्पीड है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

अज्ञात चोरों ने व्यवसायी के घर चोरी कर नगदी सहित लाखों का उड़ाया सामान

जिला पार्षद ने चोरी की बढती घटनाओं पर पुलिस को लगाई फटकार

सहार। सहार टोला स्थित एक व्यवसायी के घर बक्सा का कब्जा तोड़कर 65 हजार रुपए सहित लाखों के आभूषण के चोरी की घटना का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि मंगलवार की रात स्व. उमेश प्रसाद साह के पुत्र विक्की कुमार के घर में रखे एक बक्से का कब्जा तोड़ कर 65 हजार रुपये नकद तथा उसी बक्से में रखे लाखों के सोने और चांदी के आभूषण चोरी कर भाग निकले। जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को देते हुए पीड़ित व्यक्ती ने प्राथमिकी दर्ज कराया। जिस मामलें में पुलिस ने चोरों की गिरफ्तारी के छानबीन शुरू कर दी है। घटना की खबर मिलते ही सहार पूर्वी जिला पार्षद मीना कुमारी और अधिवक्ता घनश्याम राय ने पीड़ित परिजनों के घर पहुंच सांत्वना दी। उन्होंने थाना क्षेत्र में लगातार बढ रही चोरी की घटनाओं पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए थाना परिसर पहुंच पुलिस पदाधिकारियों पर रोष जताया। जिला पार्षद मीना कुमारी ने कहा कि 2 माह के अंदर दर्जनों से अधिक छोटी-बड़ी चोरी व सडक पर ट्रक लूट की घटनाएं से लोगों में भय व्याप्त है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक जख्मी

डेहरी। नेहरू कॉलेज के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक और ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच शुरू किया। फिलहाल घायल युवक की पहचान की शिनाख्त में पुलिस जुटी है। दूसरी तरफ प्रशासन ने लोगों से अपील किया सड़क पर सावधानी बरतने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है,ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

बिक्रमगंज : नाबालिक लड़की के जबरन शादी मामलें में पुलिस ने की छापेमारी

बिक्रमगंज। मंगलवार को देर शाम नगर की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शिव मैरेज हॉल आरा रोड बिक्रमगंज में नाबालिक लड़की का शादी हो रही है। प्राप्त सूचना के आलोक में एक पुलिस टीम को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया। छापेमारी के क्रम में शिव मैरेज हॉल में लड़का पक्ष एवं लड़की पक्ष को पाया गया। जहां पुछताछ के क्रम में यह बात सामने प्रकाश में आई कि इसमें बिचौलिया के माध्यम से पैसे का प्रलोभन देकर शादी कराने की बात प्रकाश में आई। आये तथ्यों के आधार पर पुलिस टीम द्वारा लड़की पक्ष को थाने भेजा गया तथा विचौलिया एवं लड़का पक्ष को रूपया,श्रृगांर, जेवरात साथ थाना लाया गया। इस प्रकार स्पष्ट हुआ कि बिचौलिया के माध्यम से अवैध रूप से शादी कराने का कार्य होने वाला था। जिसके लिए समुन्द्रा देवी पति सुमन चौधरी ग्राम चकिया टोला थाना धनसोई जिला बक्सर के लिखित आवेदन के आधार पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने नगद एक लाख बीस हजार रुपए, कंगन उजला रंग का 06,विछिया पीला रंग का 02, टॉप्स पीला रंग का 01,नथिया एवं मंगलसुत्र पीला रंग का एक-एक,श्रृगार का सामान व एक एन्ड्रॉयड मोबाईल बरामद की है। पुलिस ने उक्त मामले में अनुज कुमार उम्र 30 वर्ष पिता जवाहर राम ग्राम गच्छई थाना काराकाट,राकेश कुमार सिंह उम्र 34 वर्ष पिता स्व० हरिनंदन सिंह,चितरंजन पासवान उम्र 32 वर्ष पिता सुकर राम दोनों ग्राम गच्छई थाना काराकाट,कमल चौहान उम्र 25 वर्ष पिता शंकर लाल चौहान,शंकर लाल उम्र 55 वर्ष पिता स्व.नसिंग चौहान,बेरू लाल उम्र 50 वर्ष पिता स्व. नागजी तीनों ग्राम पेलाद्री थाना बड़ाबदा,जगदीश मालवी उम्र 40 वर्ष पिता कनीरामजी ग्राम मंडला थाना रंगनौत चारों जिला रतलाम राज्य मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया,सभी के अपराधिक इतिहास का पता किया जा रहा है। इसकी जानकारी रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी ।

एआई भविष्य में शिक्षा प्रणाली का बनेगा आधार : निदेशक

आरा । श्री त्रिदंडी देव राजकीय डिग्री महाविद्यालय, शाहपुर गौतमनगर में यूनिसेफ बिहार एवं इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय ह्लबिहार में उच्च शिक्षा का कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल परिवर्तन चुनौतियां अवसर एवं नीतिगत निहितार्थ रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो शैलेन्द्र कुमार चतुवेर्दी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर देश-विदेश से आए शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मौके पर डॉ राकेश कुमार रंजन, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के एमसीए निदेशक ने भी अपनी बातें रखीं उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन बिहार में उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो अकादमिक वातावरण को नई दिशा प्रदान करेगा। डॉ.रंजन ने समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार पर बल देते हुए कहा कि तकनीकी नवाचार से कार्यकुशलता में वृद्धि संभव है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भविष्य की शिक्षा प्रणाली का आधार बताते हुए इसके सामाजिक प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विकासशील देशों में तकनीकी समावेशन की आवश्यकता पर जोर दिया।

अवैध नर्सिंग होम संचालक मरीजों के जिंदगी कर रहें खिलवाड़

- **बिना डिग्री के ही नर्सिंग खोल करते हैं जांच स्वास्थ्य विभाग मौन**

केटी न्यूज/नवादा

रजौली अनुमंडल मुख्यालय सहित प्रखंड मुख्यालयों में फर्जी नर्सिंग होम और अस्पतालों का संचालन विभागीय अधिकारियों के संरक्षण में धड़ल्ले से हो रहा है। इस अवैध कारोबार को न कोई रोकने वाला है और न ही टोकने वाला लिहाजा लापरवाही की वजह से ऐसे नर्सिंग होम में आए दिन जच्चा-बच्चा की मौत होती रहती है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की मानें तो स्वास्थ्यकर्मियों की सांठगांठ व कमीशन के बलबूते अवैध नर्सिंग होम संचालन का धंधा फल फूल रहा है और फर्जी नर्सिंग होम संचालकों के हौसले बुलंद हैं। बताया जाता है कि अनुमंडल मुख्यालय के आसपास व मुख्यालय में संचालित ऐसे नर्सिंग होम की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के आलाधिकारियों को भी है। लेकिन,इन पर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी घोड़े ही दौड़ाए जाते हैं। इन संचालकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं होने से विभागीय अधिकारियों पर साठगांठ के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। यही नही यहां मरीजों से इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूलने के बाद भी उन्हें समुचित उपचार मुहैया नहीं कराया जाता है। जानकारों की मानें तो रजौली शहर हो या सिरदला,अकबरपुर और अनुमंडल मुख्यालय या शहर-गांव हर तरफ अवैध नर्सिंग होम के संचालन का कारोबार चरम पर है। शहर में कुछ ऐसे क्लीनिक हैं, जिसके संचालक पूर्व में किसी अस्पताल में कंपाउंडर सहित अन्य पदों पर कार्य कर चुके हैं। कुछ महीनों या वर्षों तक अस्पतालों में काम करने के बाद वे खुद चिकित्सक बन गए। चिकित्सा का शैक्षिक ज्ञान नहीं होने के कारण ये रोगियों को जल्दी स्वस्थ करने के नाम पर ऐसी दवाएं दे रहे हैं, जिनसे तत्काल तो लाभ मिलता है। लेकिन इसके दूरगामी परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं।

अनुमंडल में दर्जनों के करीब अवैध नर्सिंग होम

बावजूद वे खुलेआम मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। इतना सबकुछ होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी महज मूकदर्शक बनकर रह गए हैं। नर्सिंग होम के संचालक मरीजों और उनके परिजनों के साथ मनमानी करते हैं। जिले भर में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्र बताते हैं कि जो क्लिनिक और नर्सिंग होम नियमों और शर्तों की पूर्ति नहीं करते हैं। निरीक्षण करने के दौरान संबंधित टीम सख्त रुख अख्तियार तो करती है लेकिन सिर्फ दिखावे के लिए बाद में पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

कमीशन के चक्कर में झोलाछाप चिकित्सक से साठ-गांठ

कमीशन के चक्कर में गांवों व कस्बों के झोलाछाप चिकित्सक पीड़ित को मौत के मुंह में झोंकने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। उनका यह कारनामा किसी से छिपा नहीं है। इस तरह के दर्जनों मामले सामने आ चुके है। हालांकि इन नर्सिंग होम में किसी की मौत होने पर संचालक सहित उनके सहयोगी सक्रिय हो जाते हैं और कुछ ले-देकर मामले को रफा-दफा करने के लिए दबाव बनाते हैं। पीड़ित व्यक्ति के रिश्तेदारों पर राजनीतिक प्रभाव का भी इस्तेमाल करते है और केस मुकदमा नहीं हो इसके प्रयास में जुट जाते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ऐसे फर्जी संचालकों पर कब तक कार्रवाई करती है यह देखना बाकी होगा।

कार्रवाई के बाद अवैध संचालन जारी

कई ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। अखबारों में खबरें प्रकाशित होने के बाद प्रशासन द्वारा दिखावटी कार्रवाई करते हुए ऐसे नर्सिंग होम को सील तो कर दिया जाता है। लेकिन, उनके संचालकों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती है। फलस्वरुप कुछ दिनों के बाद फिर से ऐसे संस्थानों का संचालन शुरू हो जाता है।हालिया कई वर्षों से रजौली अनुमंडल में कई अवैध नर्सिंग होम के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई है। ऐसे अवैध नर्सिंग होम के विरुद्ध कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए हैं। किसी भी सूरत में अवैध नर्सिंग होम के संचालकों को नागरिकों की जान से खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा।

क्या कहते है अधिकारी

रजौली अनुमंडल पदाधिकारी स्वतंत्र कुमार सुमन ने बताया कि सभी नर्सिंग होम एवं निजी क्लीनिक को लेकर जल्द ही जांच टीम गठित किया जाएगा। अवैध रूप चल रहे नर्सिंग होम पर कानूनी कार्रवाई किया जाएगा।

एक साल में होल्डिंग टैक्स से दोगुना राजस्व आया, समय पर करों का भुगतान करें लोग

नीतीश सरकार ने शहरी निकायों से वसूला 908 करोड़ का राजस्व

एजेंसी। पटना

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने दावा किया कि आगामी समय में राज्य के नगर निकाय राजस्व संग्रहण के नए मानक स्थापित करेंगे और बिहार को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक शहरी ढांचे की दिशा में अग्रसर करेंगे। राज्य के शहरी निकायों में राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। वित्तीय वर्ष एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में राज्य के नगर निकायों द्वारा होल्डिंग टैक्स सहित कुल 908 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रहण किया गया है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने बताया कि राज्य के कुल 19 नगर निगम, 89 नगर परिषद एवं 156 नगर पंचायतों से उक्त अवधि के दौरान होल्डिंग टैक्स सहित कुल 908 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व वसूला गया है। इसमें केवल होल्डिंग टैक्स वसूली का लक्ष्य 533 करोड़ रुपए था, जबकि 565 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की गई जो कुल लक्ष्य का 106 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में होल्डिंग टैक्स सहित कुल राजस्व संग्रहण 432 करोड़ रुपए तथा केवल होल्डिंग टैक्स का संग्रहण 290 करोड़ रुपए हुआ था। विजस सिन्हा ने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार द्वारा शहरी निकायों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। विभाग द्वारा राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी बनाने के लिए ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था, समयबद्ध कर निर्धारण एवं नियमित मॉनिटरिंग जैसी पहलें की गई हैं, जिससे नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ी है। विजय सिन्हा ने आगे कहा कि शहरी निकायों की वित्तीय सुदृढ़ता राज्य के समग्र शहरी विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। बढ़ा हुआ राजस्व संग्रहण शहरी आधारभूत संरचना के विकास, स्वच्छता व्यवस्था, जलापूर्ति, सड़क निर्माण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी नगर निकायों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार की प्रतिबद्धता एवं कार्यकुशलता के साथ आगे भी कार्य करते हुए राजस्व संग्रहण को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही नागरिकों से भी अपील की कि वह समय पर अपने करों का भुगतान करें, ताकि राज्य में बेहतर शहरी सेवाओं का विस्तार सुनिश्चित किया जा सके।

4954 एएनएम को मिला नियुक्ति पत्र, सीएम नीतीश बोले- ईमानदारी के साथ काम करें

एजेंसी। पटना

बिहार को 4954 सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) मिल चुके हैं। आज पटना के शास्त्रीनगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एएनएम को नियुक्ति पत्र दिया। मुख्यमंत्री ने एएनएम विनीता कुमारी, स्वाति कुमारी और रौशनी कुमारी को नियुक्ति पत्र दिया और उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी नवनियुक्त कर्मी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने की। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन बिहार के स्वास्थ्य विभाग के लिए ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और डबल इंजन की सरकार के सतत प्रयासों से आज स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार गांव-गांव तक प्रभावी रूप से हो रहा है, जिससे आमजन को बेहतर और सुलभ इलाज सुनिश्चित हो पा रहा है। मंगल पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा की गई इस बड़ी नियुक्ति से स्वास्थ्य व्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि 4954 एएनएम में से 4197 को स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में, 458 को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) में तथा 299 को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद राज्य में 2250 नए स्वास्थ्य उपकेंद्र क्रियाशील हो जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में पिछले एक दशक में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। आज राज्य के 14,600 से अधिक गांवों और पंचायतों में स्वास्थ्य उपकेंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले जहां अस्पतालों में मरीजों की संख्या बहुत कम थी, वहीं अब हजारों मरीज हर महीने इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जो जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ है एएनएम

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि पिछले एक वर्ष में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 20,413 नियुक्तियां की गई हैं। जिनमें से 11,251 नियुक्तियां राज्य स्वास्थ्य समिति के माध्यम से एनएचएम के तहत हुई हैं। इन नियुक्तियों में एएनएम, विशेषज्ञ डॉक्टर, जनरल मेडिकल ऑफिसर, आयुष चिकित्सक और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर शामिल हैं। इसके अलावा विभाग द्वारा 9162 अन्य नियुक्तियां भी की गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि मानव संसाधन की कमी को भी तेजी से दूर कर रही है। उन्होंने नव नियुक्त एएनएम बहनों को शुभकामना देते हुए हुए कहा कि आप स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ हैं और मरीजों के उपचार में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नालंदा में महिला से सरेआम गैंगरेप की कोशिश का मामलाः 11वें आरोपी ने किया सरेंडर, खुद को बताया निर्दोष

एजेंसी। पटना

बिहार के नालंदा जिले में महिला के साथ सरेआम अभद्रता और गैंगरेप की कोशिश के चर्चित मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले के फरार चल रहे 11वें आरोपी मुन्ना पांडेय ने आखिरकार कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। उसके आत्मसमर्पण के साथ ही इस हाई-प्रोफाइल केस में एक नया मोड़ आ गया है, क्योंकि आरोपी ने अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। नूरसराय थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद से ही पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। कई आरोपियों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी थी, लेकिन मुन्ना पांडेय फरार था। बुधवार को उसने बिहारशरीफ कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया गया। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा उस वायरल वीडियो को लेकर हुई थी, जिसमें आरोपी मुन्ना पांडेय पीड़िता का हाथ पकड़े हुए नजर आ रहा था। इसी वीडियो के आधार पर उसकी पहचान हुई और वह पुलिस के रडार पर आ गया था। सरेंडर के बाद मुन्ना पांडेय ने मीडिया के सामने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसका इरादा गलत नहीं था। उसने दावा किया कि पीड़िता उसी के टोले की रहने वाली है और जब भीड़ उसके साथ अभद्रता कर रही थी, तब वह उसे बचाने के लिए वहां पहुंचा था।आरोपी के मुताबिक, महिला को बचाने की कोशिश के दौरान उसे खुद भी चोट लगी। उसने यह भी कहा कि जो घटना हुई, वह बेहद शर्मनाक है और समाज के लिए कलंक है। हालांकि, उसके इस बयान पर सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि वायरल वीडियो में उसकी भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। मामले को लेकर नूरसराय थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस इस केस को गंभीरता से ले रही है और लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अब भी तीन आरोपी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (स्क्र्ळ) का गठन किया है, जो हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रहा है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को लेकर भी पुलिस सतर्क है और पीड़िता की पहचान उजागर करने वालों के खिलाफ साइबर थाने में केस दर्ज किया गया है। यह घटना 26 मार्च की बताई जा रही है, जब एक महिला शाम के समय दुकान पर सामान लेने गई थी।

तेज रफ्तार का कहर! स्कूल जा रहे मासूमों को कार ने रौंदा, एक छात्रा की दर्दनाक मौत, दो की हालत गंभीर

एजेंसी। भागलपुर

बिहार के भागलपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। सुलतानगंज-भागलपुर मुख्य सड़क (नएच-80) पर बुधवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब तेज रफ्तार कार ने स्कूल जा रहे तीन बच्चों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं और जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं। यह हादसा सुलतानगंज थाना क्षेत्र के पैन गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, महेशी गांव के रहने वाले तीनों बच्चे रोज की तरह साइकिल से स्कूल जा रहे थे। तभी अचानक तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्चे लगभग 20 से 25 फीट दूर जा गिरे। उनकी साइकिलें भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इस हादसे में 16 वर्षीय करुणा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। करुणा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, 12 वर्षीय अंश कुमार और 15 वर्षीय दिव्यांशु कुमार की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। बिना समय गंवाए उन्होंने घायलों को सुलतानगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर किया गया। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को समय पर इलाज मिल सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी और चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। हादसे के बाद वह मौके से भागने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया और करीब दो किलोमीटर दूर उसे पकड़ लिया। हालांकि बाद में चालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।एएसपी संयम राजा ने बताया कि घटना बेहद गंभीर है और दो बच्चों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस चालक की पहचान कर रही है और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मासूम की मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्थानीय लोग तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पटना समेत 22 जिलों में बारिश-वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट, कई जगह ओलावृष्टि के भी आसार

एजेंसी। पटना

बिहार का मौसम सुहाना हो चुका है। पटना समेत कई जिलों में बारिश बुधवार दोपहर हल्की बारिश हुई है। दो घंटे बाद धूप तो निकली लेकिन इतमें इतनी तपिश नहीं कि गर्मी को अधिक बढ़ा सके। मौसम विज्ञान केंद्र ने आठ और नौ अप्रैल को बिहार के कई जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। बुधवार को बांका, भागलपुर, जमुई, लखीसराय, मुंगेर, गया, नवादा, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, भोजपुर, पटना, नालंदा, सीवान, गोपालगंज, सारण, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, रोहतास में बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तेज हवा के साथ मध्यम दर्जे की बारिश और वज्रपात के आसार हैं। इन इलाकों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बारिश हो सकती है इन जिलों में ओलावृष्टि के भी आसार हैं वहीं अगले 24 घंटे में पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां पर 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा, बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं इन जिलों में ओलावृष्टि के भी आसार हैं। इन जिलों के अलावा, पटना, बक्सर, कैमूर, रोहतास, भोजपुर, औरंगाबाद, अरवल, गया, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, जमुई, भागलपुर और बांका में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बारिश और वज्रपात के आसार जताए गए हैं।

अगले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में चार डिग्री तक गिरावट

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। इसके बाद अगले 72 घंटों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, न्यूनतम तापमान अगले 48 घंटों तक स्थिर रहने के आसार हैं, जिसके बाद इसमें दो से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम का मिजाज मिला-जुला रहा। राज्य के उत्तर-पश्चिमी, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-मध्य हिस्सों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि बाकी इलाकों में मौसम सामान्य रूप से शुष्क बना रहा। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस से 38.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे अधिक तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस भभुआ (कैमूर) में दर्ज किया गया। वहीं, अधिकांश जगहों पर अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस से 25.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिसमें सबसे कम 19.2 डिग्री सेल्सियस किशनगंज में दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में पूर्वी बिहार को छोड़कर बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। हवा की रफ्तार की बात करें तो मधुबनी जिले में अधिकतम 35 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलीं। वहीं, बारिश के आंकड़ों के अनुसार कुटुंबा में 2.6 मिमी, दिनारा में 0.6 मिमी, औरंगाबाद में 0.5-0.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

बिहार में पंचायत स्तर पर खुलेंगे आधार सेवा केंद्र, पहले चरण में दो हजार पंचायतों में शुरूआत

एजेंसी। पटना

बिहार में अब पंचायत स्तर पर आधार सेवा केंद्र खोले जाएंगे, जिससे आम लोगों को आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं के समाधान में बड़ी सुविधा मिलेगी। इन केंद्रों पर आधार से संबंधित अन्य कार्य भी आसानी से किए जा सकेंगे। पहले चरण में राज्य की 2000 पंचायतों में ऐसे केंद्र खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पंचायती राज विभाग के निदेशक नवीन कुमार सिंह ने बुधवार (8 अप्रैल 2026) को इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने उत्तर बिहार के 21 जिलों–पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गोपालगंज, अररिया, पश्चिम चंपारण, सुपौल, वैशाली, बेगूसराय, मधेपुरा, मधुबनी, कटिहार, पूर्णिया, सारण, सीवान, खगड़िया, सहरसा, शिवहर, किशनगंज और सीतामढ़ी–के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राज्य की सभी पंचायतों में आधार सेवा केंद्र खोलने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि 15 अप्रैल तक सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर चयनित पंचायतों में आधार सेवा केंद्र शुरू कर दिए जाएं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ह्यसबका सम्मान, जीवन आसानह्ण योजना के तहत 1 अप्रैल 2026 से मृतक के परिजनों को 24 घंटे के भीतर मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया है। इसको लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पंचायत स्तर पर स्थित मोक्षधाम और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार के बाद 24 घंटे के भीतर प्रमाण-पत्र जारी किया जाए। नवीन कुमार सिंह ने अधिकारियों से इस व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने और समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके।

एक नजर

बिहार में कानून को खुली चुनौती पुलिस हिरासत से भीड़ ने आरोपी को छुड़ाया, वायरल वीडियो के बाद 20 लोगों पर एफआईआर

बेतिया। बिहार के बेतिया जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां कानून को सरेआम चुनौती देते हुए भीड़ ने पुलिस हिरासत से एक आरोपी को जबरन छुड़ा लिया। मझौलिया थाना क्षेत्र में हुई इस घटना का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बहुअरवा गांव में कुछ संदिग्ध लोग एकत्रित हुए हैं और किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना देरी किए मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने रीठा महतो नामक एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया, जिस पर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने का शक था। लेकिन जैसे ही पुलिस आरोपी को वाहन में बैठाकर थाना ले जाने लगी, माहौल अचानक बदल गया। देखते ही देखते मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ उग्र हो गई। दर्जनों लोग पुलिस वाहन के चारों ओर जमा हो गए और शोर-शराबा करते हुए पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। वायरल हो रहे वीडियो में साफ नजर आता है कि किस तरह भीड़ ने पूरी योजना के तहत पुलिस को घेर लिया। कुछ लोग पुलिसकर्मियों को उलझाए रखते हैं, जबकि अन्य लोग आरोपी को वाहन से खींचकर बाहर निकाल लेते हैं। इस दौरान हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस टीम चाहकर भी तत्काल कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी और आरोपी को भीड़ के बीच से छुड़ाकर फरार कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। यह मामला सिर्फ एक आरोपी के फरार होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए तुरंत केस दर्ज किया और अब तक करीब 20 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो को देखा जा रहा है और उसमें दिख रहे सभी लोगों की पहचान की जा रही है। इसके साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों ने साफ संकेत दिए हैं कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

पटना में अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में मजदूरों का हंगामा, वेतन बढ़ाने और न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर काम किया ठप

पटना। पटना के दनियावां स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड (पाटलिपुत्र सीमेंट वर्क्स) में बुधवार को मजदूरों का आक्रोश फूट पड़ा। सैकड़ों मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर फैक्ट्री के मुख्य गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया और कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया। मजदूरों की मुख्य मांग केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी लागू करने और वेतन में बढ़ोतरी की है। सीमेंट फैक्ट्री में का करने वाले मजदूरों का कहना है कि जितना वेतन मिल रहा है, उसमें परिवार का गुजारा करना बेहद मुश्किल हो गया है। अपनी इसी मांग को लेकर आज उन्होंने काम ठप किया है। प्रदर्शन में शामिल मजदूर प्रमोद प्रसाद ने बताया कि नियम के अनुसार उन्हें प्रतिदिन 783 रुपये मिलने चाहिए, लेकिन उन्हें केवल 436 रुपये ही दिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वेतन से पीएफ की कटौती और छुट्टियों का पैसा काटे जाने के कारण हाथ में आने वाली राशि और कम हो जाती है। मजदूरों ने प्रबंधन पर शोषण का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब भी वे अपनी मांगें उठाते हैं, तो उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। उनका आरोप है कि मामूली वेतन वृद्धि कर उन्हें शांत कराने की कोशिश की जाती है। वहीं, फैक्ट्री के एचआर हेड श्यामेंद्र दधीचि ने इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। हालांकि बढ़ते विरोध को देखते हुए प्रबंधन ने मजदूरों से उनकी मांगों का लिखित आवेदन मांगा है। प्रदर्शनकारी मजदूर अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

बेगूसराय के गांधी स्टेडियम में छात्राओं से छेड़खानी विरोध करने पर मारपीट, फिजिकल ट्रेनर भी घायल

बेगूसराय। बेगूसराय से एक बेहद गंभीर और शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत डीएम कार्यालय के पास स्थित गांधी स्टेडियम में सुबह फिजिकल ट्रेनिंग कर रही छात्राओं के साथ छेड़खानी और मारपीट की गई। इस घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह लगभग 6 बजे बड़ी संख्या में छात्राएं नियमित अभ्यास के लिए गांधी स्टेडियम पहुंची थीं। ये छात्राएं सिपाही भर्ती, होमगार्ड और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक तैयारी कर रही थीं। रोजाना की तरह वे रनिंग और एक्सरसाइज में जुटी थीं, तभी कुछ असामाजिक तत्व वहां पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी युवक नशे की हालत में थे और स्टेडियम परिसर में पहुंचते ही उन्होंने रनिंग कर रही छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार और छेड़खानी शुरू कर दी। शुरूआत में छात्राओं ने इसका विरोध किया और उन्हें वहां से हटने के लिए कहा, लेकिन आरोपियों ने उल्टा गाली-गलौज शुरू कर दी। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब विरोध करने पर आरोपियों ने छात्राओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना के बीच जब फिजिकल ट्रेनिंग कर रहे कोच और ट्रेनर प्रवीण कुमार ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना के बाद स्टेडियम परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद अन्य छात्राएं घबरा गईं और इधर-उधर भागने लगीं।